[This question paper contains 3 printed pages.]

1365 *आपका अनुक्रमांक* .....

B.A. (Hons.) बी. ए. (ऑनर्स) / II **D**

HINDI – Paper V

हिंदी – प्रश्न-पत्र V

(आधुनिक हिन्दी कविता – I)

(नवजागरण और स्वच्छंदतावाद)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 38*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) सिद्धि हेतु स्वामी गए यह गौरव की बात।
पर चोरी-चोरी गए यही बड़ा व्याघात।
सखि, वे मुझसे कह कर जाते,
कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ-बाधा ही पाते ? (6)

अथवा

P.T.O.

बीती विभावरी जाग री !
अम्बर-पनघट में डुबो रही
ताराघट ऊषा नागरी ।
खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा
लो यह लतिका भी भर लाई
मधु मुकुल नवल रस गागरी ।

(ख) स्तब्ध ज्योत्सना में जब संसार
चकित रहता शिशु-सा नादान,
विश्व के पलकों पर सुकुमार
विचरते हैं जब स्वप्न अजान,
न जाने नक्षत्रों से कौन
निमंत्रण देता मुझको मौन । (6)

अथवा

चिंतको! चिन्तना की तलवार गढ़ो रे!
ऋषियों! कृशान-उद्दीपक मंत्र पढो रे!
योगियो! जगो जीवन की ओर बढो रे!
बन्दूकों पर अपना आलोक मढो रे!
है जहाँ कहीं भी तेज, हमें पाना है,
रण में समग्र भारत को ले जाना है.

2. 'यशोधरा' के आधार पर गुप्त जी की नारी-दृष्टि का विवेचन कीजिए। (9)

अथवा

'यशोधरा' के काव्य-रूप पर विचार कीजिए।

3. 'मधुप गुनगुना कर कह जाता' कविता के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए। (9)

अथवा

'लहर' की कविताओं के आधार पर प्रसाद के प्रकृति-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

4. 'परिवर्तन' कविता के विषय-वस्तु पर विचार कीजिए। (8)

अथवा

'दिनकर राष्ट्रीय चेतना के वाहक हैं।' - 'परशुराम की प्रतीक्षा' के आधार पर विश्लेषण कीजिए।